ISSN: 2395-7852

International Journal of Advanced Research in Arts, Science, Engineering & Management

Volume 10, Issue 3, May 2023

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

Impact Factor: 6.551

+91 9940572462 +91 9940572462 ijarasem@gmail.com www.ijarasem.com

International Journal of Advanced Research in Arts, Science, Engineering & Management (IJARASEM)

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Impact Factor: 6.551| Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 10, Issue 3, May 2023 |

नगरीयकरण की बढ़ती जनसंख्या का झुंझुनू जिले पर प्रभाव : एक भौगोलिक अध्ययन

Naveen Kumar

Research Scholar, Geography, Shri Khushal Das University, Hanumangarh, Rajasthan, India

सार

झुंझुनू (Jhunjhunu) भारत के राजस्थान राज्य के झुंझुनू ज़िले में स्थित एक नगर है। यह ज़िले का मुख्यालय भी है।[1][2][3] झुंझुनूं जिले कि स्थापना 11वी सदी में चौहान (राजपूतों) ने की थी। फिरोज़ तुगलक (ई. सन 1338-1351) के बाद कायमखानी वंशज आये। कहते हैं, कायम खान के बेटे मुहम्मद खान ने झुंझुनू में अपना राज्य कायम किया, इसके बाद लगातार यह क्षेत्र कयामखानियों के अधिपत्य में रहा। झुंझुनू का अन्तिम नवाब रुहेल खान जो आस-पास के अपने ही वंश के नवाबों से प्रताड़ित था। झुनझुनु शहर राजस्थान राज्य में झुंझुनू जिला में स्थित है। इस शहर का नाम अपनी खूबसूरती और रंगों के लिए प्रसिद्ध है। यह जगह विशेष रूप से दीवारों पर की गई खूबसरत चित्रकारी के लिए जाना जाता है। झुनझुनु में ऐसी कई जगह जैसे किले, मंदिर, स्मारक एवं महल है जहां घूमा जा सकता है।

दशरथ शर्मा ने तेहरवी शताब्दी के कस्बों की जो सूची दी है उसमे झुंझुनू का भी नाम है। इसी प्रकार अनंत और वागड राज्यों के उल्लेख में भी झुंझुनू का अस्तित्व कायम था। झुंझुनू जिला भारत के राजस्थान का एक जिला है। इसकी सीमा सीकर, चुरू जिलो से तथा हरियाणा राज्य से लगती है। झन्झुनू जिला दिल्ली से २५० किलोमीटर और जयपुर से १८० किलोमीटर दुरी पर स्थित है। यह एक रेगिस्तानी इलाका है। पूर्व से पश्चिम कि सीमा ११० किलोमीटर व उत्तर से दक्षिण की सीमा १०० किलोमीटर है। झन्झुनू जिला 27.5' से 28.5'उत्तरी अक्षांश तथा 75 से 76 डिग्री पूर्वी देशान्तर के मध्य है। इसका भौगोलिक क्षेत्र शुष्क है।

परिचय

अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ झुंझुनू जिले में व्याप्त जनाक्रोध कई आंदोलनों के रूप में सामने आया। स्वतंत्रता सैनानी सावलराम के अनुसार इस जनपद में आर्य समाज आन्दोलन, जकात आन्दोलन, जागीरदारों के खिलाफ आन्दोलन प्रजा मंडल आन्दोलन और अंग्रेजों के विरुद्ध आन्दोलन चले जो कमोबेश एक दुसरे के पूरक थे। इतिहासकार मोहन सिंह लिखते हैं की जयपुर राज्य की सबसे बड़ी निजामत शेखावाटी थी जिसमा वर्तमान झुंझुनू और सीकर जिले की सम्पूर्ण सीमाएं थी। शेखावाटी निजामत का कार्यालय झुंझुनू में था। सन १८३४ में झुंझुनू एसा मजोर हेनरी फोस्टर ने एक जगह फौज का गठन किया था जिसका नाम शेखावाटी ब्रिगेड रखा गया। झुंझुनू में जिस जगह यह फौज रहती थी वह इलाका आज भी छावनी बाज़ार और छावनी मोहल्ला कहलाता हैं।[1,2]

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Impact Factor: 6.551| Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 10, Issue 3, May 2023 |

आज के समय में झुंझुनू जिले में शिक्षा का स्तर काफी हद तक पहुँच चुका है , जिले से काफी संख्या में आईएएस अधिकारी , आईपीएस अधिकारी , सेना अधिकारी , RAS अधिकारी सेवारत है । जिले में सैनिको को संख्या भी अत्यधिक मात्र में है । झुंझुनू जिले में अनेक छोटे बड़े दर्शनीय स्थल है जैसे रानी सती का मंदिर, काली पहाड़ी, खेतड़ी महल आदि , साथ ही स्वामी विवेकानंद का संबंध भी खेतड़ी के राजा अजीत सिंह से रहा है जोकि इसी जिले के आधीन तहसील क्षेत्र है । खेतड़ी तहसील में हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड का कॉपर उप्रकम भी कार्यरत है झुंझुनू की सीमा हरियाणा से लगती है पचेरी, शिमला जैसे गाँव हरियाणा के गोद बलावा (कृष्ण नगर) के नजदीक है । तथा बलौदा गाँव भी हरियाणा सीमा के पास बसा हुआ है।[3,4]

झुंझुनू अपनी भित्तिचित्र कला के लिए जाना जाता है जयपुर से 190 किमी की दूरी पर स्थित रानी सती मन्दिर, हिन्दुओ के लिए एक श्रद्धालु तीर्थ स्थल है| संगमरमर से बना, खेतड़ी पैलेस या विंड पैलेस सुन्दर महल वास्तुकला का एक और टुकड़ा है जो पर्यटको को आकर्षित करता है| भारत के राजस्थान राज्य मे स्थित एक ऐतिहासिक शहर है| झुंझुनू को रानी सती दादी के धार्मिक मंदिर के लिए जाना जाता है| रानी सती दादी मंदिर मे हजारो अनुयायी दर्शन करने और प्रार्थना करने आते है| [5,6]रानी सती को समर्पित जिन्होने अपने पति के लिए बहादुरी से अपना जीवन समर्पित किया| मंदिर को रंगीन दर्पणो की दीवार चित्रो से सजाया गया है| इसे 'सती प्रथा, के नाम से जाना जाता है| दरगाह कमरुद्दीन शाह, मुस्लिम सूफी संत हजरत कमरुद्दीन शाह के मकबरे मे मस्जिद, कुरान स्कूल, दरगाह और आंगन है| अन्य आकर्षण चौथा बादलगढ़ है, नबाब फजल खान द्वारा निर्मित तीन कब्रे मोदी और Tiberwala Havelli ; भित्ति कला का एक बड़ा संग्रह होने जोरावगढ़ बड़ी संख्या मे भवन है| झीलो और चरण वेल्स की तरह अजीत सागर झील, बिरदी चंद खैर, Mertaniji की Baori, सबसे पुराने कुएं का भी दौरा करते है| महत्वपूर्ण किले है अखेगढ़ किला, जोरावरगड बादलगढ़ फोर्टाराग किला और बादलगढ़ किला।एक खेतड़ी महल जिसको ठाकुर सिंह द्वारा बनाया गया था| प्रसिद्ध मंदिर रानी सती दादी मंदिर है| राजस्थान के जनगणना संचालन निदेशालय द्वारा राजस्थान के एक जिले झुनझुनुन (झुनझुनू) की आधिकारिक जनगणना 2011 की जानकारी जारी की गई है। राजस्थान के झुंझुनू जिले में जनगणना अधिकारियों ने महत्वपूर्ण व्यक्तियों की गणना भी की थी।[7,8]

2011 में, झुंझुनू की जनसंख्या 2,137,045 थी, जिसमें पुरुष और महिला क्रमशः 1,095,8 9 6 और 1,041,14 9 थीं। 2001 की जनगणना में, झुनझुनुन की आबादी 1,913,68 9 थी, जिनमें से पुरुष 983,526 थे और शेष 930,163 महिलाएं थीं। झुनझुनुन जिला जनसंख्या कुल महाराष्ट्र आबादी का 3.12 प्रतिशत गठित। 2001 की जनगणना में, झुंझुनू जिले के लिए यह आंकड़ा महाराष्ट्र आबादी का 3.3 9 प्रतिशत था।

2001 के अनुसार आबादी की तुलना में जनसंख्या में 11.67 प्रतिशत परिवर्तन हुआ था। भारत की पिछली जनगणना में, झुंझुनू जिले में 1 99 1 की तुलना में इसकी आबादी में 36.90 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।[9,10]

2011 की जनगणना के लिए कुल झुंझुनू जनसंख्या में से 22.8 9 प्रतिशत जिले के शहरी क्षेत्रों में रहता है। शहरी इलाकों में कुल 48 9, 7 9 7 लोग रहते हैं जिनमें से पुरुष 253,178 हैं और महिलाएं 235, 9 01 हैं। 2011 जनगणना के आंकड़ों के मुताबिक झुंझुनू जिले के शहरी क्षेत्र में सेक्स अनुपात 932 है। इसी प्रकार 2011 की जनगणना में झुंझुनू जिले में बाल लिंग अनुपात 854 था। शहरी क्षेत्र में बाल आबादी (0-6) 65,951 थी जिसमें से पुरुष और महिलाएं 35,579 और 30,372 थीं। झुंझुनू जिले का यह बाल आबादी कुल शहरी आबादी का 14.05% है। जनगणना 2011 के अनुसार झुनझुनुन जिले में औसत साक्षरता दर 76.53% है जिसमें से पुरुष और महिला क्रमशः 87.3 9% और 65.03% साक्षर हैं। वास्तविक संख्या में शहरी क्षेत्र में 323,811 लोग साक्षर हैं, जिनमें से पुरुष और महिलाएं क्रमशः 190,162 और 133,64 9 हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार,

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Impact Factor: 6.551| Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 10, Issue 3, May 2023 |

झुंझुनू जिलों की 77.11% आबादी गांवों के ग्रामीण इलाकों में रहती है। ग्रामीण इलाकों में रहने वाली कुल झुंझुनू जिला आबादी 1,647, 9 66 है, जिनमें से पुरुष और महिला क्रमशः 842,718 और 805,248 हैं।[11,12] झुनझुनुन जिले के ग्रामीण इलाकों में लिंग अनुपात प्रति 1000 पुरुष 956 महिलाएं हैं। यदि झुनझुनुन जिले के बाल लिंग अनुपात के आंकड़ों पर विचार किया जाता है, तो प्रति 1000 लड़कों की संख्या 832 लड़कियां हैं। ग्रामीण इलाकों में 0-6 वर्ष की उम्र में बाल आबादी 222,519 है, जिनमें से पुरुष 121,483 थे और महिलाएं 101,036 थीं। झुंझुनू जिले की कुल ग्रामीण आबादी में बाल आबादी में 14.42% शामिल है। झुंझुनू जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में साक्षरता दर जनगणना डेटा 2011 के मुकाबले 73.42% है। लिंग के अनुसार पुरुष और महिला साक्षरता क्रमश: 86.75 और 59.77 प्रतिशत थी। कुल मिलाकर, 1,046,549 लोग साक्षर थे जिनमें से पुरुष और महिला क्रमश: 625,672 और 420,877 थीं।

बगड, बख्तावरपुरा, चिडावा, पिलानी, उदयपूर वाटी , मंडावा , नवलगढ़,तोगड़ा कलां आदि कस्बे इसी में है। झुंझुनूं का नाम लेते ही मन जोश एवं श्रद्धा से भर जाता है। यहां के जर्रे-जर्रे से उठने वाली देशभक्ति की आवाज से जोश तो गांव-गांव में स्थापित शहीदों की प्रतिमाओं को देखकर मन में श्रद्धा का भाव स्वतः ही आ जाता है।झुंझुनूं ही एक ऐसा जिला है जिसने पूरे देश में सबसे ज्यादा सैनिक दिए है, सेना में जाने तथा मातृभूमि के लिए शहीद होने का जज्बा जैसा यहां दिखाई देता है, शायद ही कहीं पर दिखाई दे। बात चाहे आजादी से पहले की हो या बाद की, जिले के जाबांज सैनिकों ने दुश्मनों के दांत खट्टे कर अपनी बहादुरी का लोहा मनवाया। वीरता के बाद झुंझुनूं का धर्म-कर्म के मामले में अलग मुकाम है। यहां जिला मुख्यालय पर स्थित दादी राणीसती का मंदिर तो विश्व भर में प्रसिद्ध हैं। झुंझुनूं में हजरत कमरुद्दीन शाह की दरगाह एवं चंचलनाथ जी टीला अपने आप में अनूठे हैं। बताया जाता है कि हजरत कमरुद्दीन एवं चंचलनाथ में गहरी दोस्ती थी। दोनों का साम्प्रदायिक सद्भाव भी गजब का था। तभी तो झुंझुनूं में आज भी दोनों जगह होने वाले कार्यक्रमों में गंगा-जमुनी संस्कृति का झलक दिखाई देती है।[13,14]

यहां पर प्राचीन शिक्षा के केंद्र रहे हैं जिनमें पिलानी का नाम आता है

यहाँ बहुत से विश्व प्रसिद्ध व्यापारियों का जन्म हुआ। जिसमें घनश्याम दास बिड़ला, डालमिया, स्टील किंग मित्तल जैसे महान व्यापारी शामिल हैं जिन्होंने दुनिया भर में अपनी पहचान बनाई है।

यहां का मंडावा , नवलगढ़, डूंडलोद अपनी हवेलियों के भित्ति चित्रों के लिए प्रसिद्ध हैं। यहां की हवेलियां अपने आप में अनूठी हैं।

फिल्म नगरी के रूप में प्रसिद्ध मंडावा शहर झुंझुनू में ही स्थित है।

झुंझुनूं के उदयपुरवाटी तहसील के इंद्रपुरा गाँव के वीर जवान अमर शहीद कालूराम ओलखा को 10 सितम्बर 1965 भारत पाक युद्ध में 4 राजपूताना राइफल्स जम्मू कश्मीर के सांबा सेक्टर में शत्रुओं द्वारा अधिकृत एक जगह पर आक्रमण कर उस पर कब्ज़ा करने का काम सौंपा गया। हमले के दौरान उन पर एम एम जी से भारी गोलीबारी की गई और हथगोले फेंके गए। उनकी टुकड़ी के आधे से अधिक सैनिक मारे गए या घायल हो गए। कालूराम ने अपने बचे हुए जवानों को लड़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित किया और घायल होने के बावजूद दुश्मन के एम एम जी युक्त दो बंकरों को बर्बाद दिया । लड़ाई के बाद इनकी गोलियां खत्म हो गई। कालूराम ने कारतूस नहीं होने के बाद भी राइफल के बट से कई दुश्मन सैनिकों को ढेर कर दिया। जब दुश्मनों ने उन पर एक और हथगोला फेंका तो उससे कालूराम गम्भीर रूप से घायल हो गए वे लहुलुहान चेहरे के साथ रेंगते हुए आगे बढ़े और अंतिम सांस लेने से पहले उन्होंने दुश्मन के अंतिम ठिकाने को नष्ट कर दिया। उन्होंने उत्कृष्ट वीरता तथा अदम्य शौर्य का प्रदर्शन किया वर्तमान में झुंझुनू के सासंद नरेंद्र कुमार खीचड़ हैं। भारत के पूर्व केंद्रीय मंत्री शीशराम ओला का निर्वाचन क्षेत्र झुंझुनू ही था। वर्तमान में झुनझुनु शेखवटी क्षेत्र का हिस्सा है। 1752 में सरदुल सिंह की मृत्यु के पश्चात् उनके शासन को पांच बराबर हिस्सों में उनके बेटों में बांट दिया गया था। सरदुल के हर बेटे ने स्वयं के लिए महल का निर्माण करवाया। 19वीं शताब्दी में, ब्रिटिश शासन के समय झुनझुनु एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। ब्रिटिश कमांडर मेजर फॉस्टर इस जगह पर कई वर्षों तक रहे। इन्होंने कई वर्षो तक यहां शासन किया। इसके साथ ही उन्होंने एक नए शहर का निर्माण भी करवाया जिसे फॉस्टरगंज कहा जाता है। इस दौरान मेजर भी काफी प्रसिद्ध रहे क्योंकि उन्होंने लोगों के लिए मस्जिद एवं मंदिर दोनों का ही निर्माण करवाया था।[15,16]

मुख्य आकर्षण

बादलगढ़ किला-इस किले की शुरूआत कायमखानी नवाब के सहयोग से हुई। बादलगढ़ किला ऊंची-ऊंची दीवारों से घिरा हुआ है। इसके साथ ही यह किला चट्टानी पर्वत के सबसे ऊपरी हिस्से में स्थित है। इस किले का निर्माण नवाब फजल खान ने करवाया। इस किले के निर्माण का कार्य 17वीं शताब्दी में पूरा हुआ।बादलगढ़ किले की दिवारों पर किया गया काम काफी खूबसूरत है। इसके अलावा झुंझुनू में कायमखानी नवाब के तीन अन्य मकबरें और भी है। शहर के पूर्व में नवाब समास खान (1605-1627) का मकबरा है, वहीं पश्चिम में भवन खान का मकबरा है जिसका निर्माण रोहेला खान ने करवाया था।

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Impact Factor: 6.551| Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 10, Issue 3, May 2023 |

शेखावटी राजपूत छत्री-शेखावट राजपूत ने झुनझुनु के कुछ हिस्से का निर्माण करवाया था। शेखावटी राजपूत छत्री की याद में सरदुल सिंह के बेटे ने इस स्थान पर स्कूल की शुरूआत की। उन्होंने इस जगह पर सफेदी करवाई। इसके अलावा दीवारों पर की गई कुछ ऐतिहासिक चित्रकारी को हटवा दिया। इस किले की अन्दर की कुछ दीवारों पर भी चित्रकारी की गई है।
जोहरावरगढ़-सरदुल सिंह के सबसे बड़े बेटे जोहरावर सिंह ने इस किले का निर्माण करवाया था। इस किले का निर्माण उन्होंने स्वयं के लिए 1741 में करवाया था।
खेतड़ी महल-खेतड़ी महल अपनी वास्तुकला के लिए झुनझुनु में काफी प्रसिद्ध है। इस महल को वाइंड पैलेस के नाम से भी जाना जाता है। इस महल का निर्माण भोपाल सिंह ने करवाया था। भोपाल सिंह खेतड़ी के संस्थापक एवं सार्दुल सिंह के दादा थे। इस महल का निर्माण 1770 में करवाया गया। इस महल के भीतर एक खूबसूरत हॉल है।
फॉस्टरगंज-शेखावटी राजपूत के बाद काफी समय तक यहां ब्रिटिश शासकों ने राज किया। ब्रिटिश शासकों के साथ मेजर हेनरी फॉस्टर भी झुनझुनु आए। उन्होंने इस शहर में एक मस्ज्दि और मंदिर का निर्माण करवाया। इसलिए इस शहर को ही फॉस्टरगंज के नाम से जाना जाता है। फॉस्टर ने इस मस्जिद को सफेद एवं हरे रंग से रंगवाया। इसके अलावा फॉस्टर ने शहर में कई खूबसूरत जगहों जैसे स्ट्रोन टेबलेट आदि का निर्माण करवाया।
कमरूद्दीन शाह दरगाह-कमरूद्दीन शाह दरगाह कान्हा पहाड़ पर्वत पर स्थित है। इस दरगाह में कमरूद्दीन शाह का मकबरा है। यह एक मुस्लिम संत (जन्म-1784) थे। इस दरगाह का निर्माण 19 शताब्दी के मध्य में हुआ। इस मकबरे में एक महफिल खाने के साथ-साथ मदरसा भी है। इसके अलावा यहां पिरामिड के आकार में एक परिसर भी है। यह जगह मेजर फॉस्टर ने अपने बेटे की याद में 1841 में बनवाया था।
रानी सती मंदिर-श्री रानी सती का मंदिर झूंझुनुं जिले का मुख्य आकर्षण है। श्री रानी सती अपने भक्तो में नारायणी माता, दादी, अम्बिका आदि नामो से प्रसिद्ध है। इस मंदिर के बनने के पीछे की कथा इस प्रकार है की जब नारायणी माता अपने पति के साथ सती हुई तब उस चिता से एक तेजस्वी राख प्रकट हुई, इस राख को उनके घोड़े ने झुंझुनू में उस जगह पर छोड़ा जहा आज रानी सती का मंदिर है। श्री रानी सती मैया बहूत सारे मारवाड़ियो की कूल देवी के रूप में पूजित है। श्री रानी सती का मंदिर १७वि सतापदी का बना हुआ है और बहूत ही नैयाभिराम है। इस मंदिर की कलाक्रति अनुपम चित्रकारी इस मंदिर में 5 चाँद लगा देती है भादो अमावस्या के दिन एक विशेष उत्सव इस मंदिर में आयोजित किया जाता है रानी सती मंदिर के अलावा पास में हनुमान मंदिर, सीता मंदिर, गणेश मंदिर, शिव मंदिर है। मारवाड़ी लोगो की मान्यता है की रानी सती माँ दुर्गा का अवतार है। मारवाड़ी परिवार और रानी सती भक्त अपने अपने घरो में रानी सती मैया की पूजा करते है।
आवागमन-हवाई अड्डा
सबसे नजदीकी एयरपोर्ट जयपुर है। हवाई अड्डे से झुनझुनु की दूरी 184 किलोमीटर है।
रेल मार्ग-झुनझुनु के लिए नियमित रूप से दिल्ली, जयपुर एवं शेखावती क्षेत्र से एक्सप्रेस ट्रेन चलती है।
सड़क मार्ग-झुनझुनु कई प्रमुख मार्गों दिल्ली, जयपुर, जोधपुर और बीकानेर आदि से जुड़ा हुआ है।[17,18]

विचार-विमर्श

जिले की गुढ़ा तहसील का एक गांव है बड़ागांव, जिसके बारे में कई तरह की चर्चाएं हैं लेकिन क्या आपको पता है नाम के अनुसार यह गांव बड़ा नहीं है. गोठड़ा (कॉपर), सुलताना, मंड्रेला, मलसीसर, बबाई, बुहाना, इस्लामपुर, जसरापुर, डूंडलोद, छापोली, नरहड़, पौंख व खिरोड़, ये उन 15 गांवों के नाम हैं, जो जिले में बड़ा गांव से भी अधिक आबादी वाले हैं. बड़ा गांव से अधिक क्षेत्रफल भी इनमें से कई गांवों का है. ऐसे में बड़ागांव काे बड़ा गांव कहना कितना ठीक है?
जिले में वर्तमान में आबादी के हिसाब से सबसे बड़ा गांव गोठड़ा है. 2011 की जनगणना के अनुसार गोठड़ा की आबादी 16933 थी. इसके बाद सुलताना की आबादी 16337 है. इसके बाद तीसरा नंबर आता है मंड्रेला का. मंड्रेला की आबादी 14258 है. मलसीसर की जनसंख्या 13719 है. पिछले 11 सालों में जनसंख्या में और भी अधिक इजाफा हुआ है. टॉप पांच में आने वाले बुहाना की आबादी 10495 है. इसी तरह जसरापुर की 10094 और डूंडलोद की 10024 है. जनसंख्या के लिहाज से जिले के टॉप 15 गांवों की बात करें तो बड़ागांव का नंबर सबसे आखिर में है. यहां की जनसंख्या सिर्फ 7974 है और यहां 1477 घर हैं.[19,20]
झुंझुनूं जिले में पांच ऐसी पंचायतें हैं जो नगर पालिका बनाई जा सकती हैं. मंड्रेला, सुलताना, मलसीसर, बबाई और सिंघाना की जनसंख्या को देखते हुए आने वाले समय में राज्य सरकार यहां नगरपालिका बोर्ड का गठन कर सकती है. हाल ही में गुढ़ागौड़जी में नगरपालिका का गठन किया जा चुका है. नगरपालिका के लिए पंचायत की आबादी 20 हजार या इससे अधिक होनी चाहिए. जिले में सुलताना, मंड्रेला, सिंघाना व मलसीसर इस मापदंड को पूरा करती हैं. इन्हें नगरपालिका बनाया जा सकता है जबकि बबाई की आबादी भी नई जनगणना में 20 हजार पार पहुंच सकती है. आबादी के लिहाज से मलसीसर, सिंघाना, मंड्रेला व सुलताना को कस्बा माना जाता है. 1980 के दशक में जिले की बड़ी पंचायतों में शामिल मंड्रेला को नगर पालिका बनाया गया था. लेकिन करीब

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Impact Factor: 6.551| Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 10, Issue 3, May 2023 |

एक साल बाद ही इसे फिर से पंचायत बना दिया गया. इसकी वजह व्यापारियों का विरोध था. व्यापारियों के विरोध के कारण मंड्रेला नगरपालिका को एक साल बाद ही वापस पंचायत का दर्जा दे दिया गया था. इससे विकास की गति थम सी गई. उन दिनों नगरपालिका क्षेत्र में व्यापारिक माल के प्रवेश पर चुंगी व्यवस्था लागू थी इसलिए व्यापारियों ने मंड्रेला को नगरपालिका बनाने का विरोध किया था.[21,22]

परिणाम

झुंझुनूं की जनसंख्या
2023 की अनुमानित जनसंख्या

2023 में झुंझुनूं की अनुमानित जनसंख्या	2,478,545
2023 में पुरुषों की अनुमानित जनसंख्या	1,271,020
2023 में महिलाओं की अनुमानित जनसंख्या	1,207,525

2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या

2011 में झुंझुनूं की कुल आबादी	2,137,045
पुरुषों की जनसंख्या	1,095,896
महिलाओं की जनसंख्या	1,041,149
क्षेत्र (प्रति वर्ग कि.मी.)	5,928
घनत्व (प्रति वर्ग कि.मी.)	361
लिंग अनुपात	950
बच्चों का लिंग अनुपात 0-6 वर्ष	837
कुल साक्षर	1,370,360
साक्षर पुरुष	815,834
साक्षर महिलाएं	554,526
साक्षरता (प्र.)	74.13%
साक्षरता पुरुष (प्र.)	86.90%
साक्षरता महिलाएं (प्र.)	60.95%
बच्चों की जनसंख्या 0-6 वर्ष	288,470
लड़कों की जनसंख्या 0-6 वर्ष	157,062
लड़कियों की जनसंख्या 0-6 वर्ष	131,408
बच्चों की आबादी 0-6 वर्ष	13.50%

लड़कों की आबादी 0-6 वर्ष	14.33%
लड़कियों की आबादी 0-6 वर्ष	12.62%

झुंझुनूं की आबादी - धर्म के अनुसार विवरण

धर्म	2011 जनसंख्या	प्रतिशत	2023 की अनुमानित जनसंख्या
हिंदू	1,905,682	89.17%	2,210,210
मुसलमान	228,178	10.68%	264,641
ईसाई	1,004	0.05%	1,164
सिख	275	0.01%	319
बौद्ध	56	0.00%	65
जैन	548	0.03%	636
अघोषित	1,217	0.06%	1,411
अन्य	85	0.00%	99
कुल	2,137,045	100%	2,478,545

झुंझुनूं राजस्थान राज्य का एक जिला है. अगर हम भारत की जनसंख्या की बात करे तो भारत दुनिया दूसरा सर्वाधिक जनसँख्या वाला देश है. दुनिया का पहला सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश चीन है. लेकिन भारत देश की जनसंख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है. जयपुर राजस्थान राज्य का सर्वाधिक जनसँख्या वाला जिला है. राजस्थान भारत का 7 वाँ सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य है. अगर क्षेत्रफल की दृष्टि से बात करे तो राजस्थान भारत का सर्वाधिक क्षेत्रफल वाला राज्य है.[23]

झुंझुनूं की वर्तमान जनसंख्या Jhunjhunun Ki Jansankhya 2021

बहुत लोगो के दिमाग में यह सवाल रहता है की झुंझुनूं की वर्तमान जनसंख्या कितनी है अर्थात् 2021

2021 में झुंझुनूं की अनुमानित जनसँख्या	2,478,545
2021 में झुंझुनूं के पुरुषों की अनुमानित जनसँख्या	1,271,020
2021 में झुंझुनूं के महिलाओं की अनुमानित जनसँख्या	1,207,525

2011 की जनगणना के अनुसार झुंझुनूं की जनसंख्या Jhunjhunun Ki Jansankhya

भारत में जनसंख्या की गणना हर 10 साल में होती है. भारत की जनगणना पिछली बार 2011 में हुई थी. 2011 की जनगणना के अनुसार झुंझुनूं की कुल जनसंख्या Jhunjhunun Ki Kul Jansankhya 21 लाख 37 हजार 045 थी. जो कि राजस्थान की कुल जनसंख्या का 3.12 प्रतिशत है. जिसमे से पुरुषों की जनसंख्या 10 लाख 95 हजार 896 है. जबकि महिलाओं की जनसंख्या 10 लाख 41 हजार 986 है.[24]

2011 की जनगणना के अनुसार झुंझुनूं की जनसंख्या –	2,137,045
2011 में झुंझुनूं में पुरुषों की जनसंख्या –	1,095,896
2011 में झुंझुनूं में महिलओं की जनसंख्या –	1,041,149

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Impact Factor: 6.551| Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 10, Issue 3, May 2023 |

राजस्थान की कुल जनसंख्या का प्रतिशत –	3.12 %
झुंझुनूं का क्षेत्रफल–	5,928
2011 में झुंझुनूं का जनसंख्या घनत्व –	361 प्रति वर्ग किलोमीटर
2011 में झुंझुनूं का लिंगानुपात –	950
2011 में झुंझुनूं में बच्चों का लिंगानुपात –	837
2011 में झुंझुनूं में कुल साक्षर की जनसंख्या –	1,370,360
2011 में झुंझुनूं में साक्षर पुरुषों की जनसंख्या –	815,834
2011 में झुंझुनूं में साक्षर महिलाओं की जनसंख्या –	554,526
2011 में झुंझुनूं की साक्षरता दर –	74.13%
2011 में झुंझुनूं के पुरुषों की साक्षरता दर –	86.90%
2011 में झुंझुनूं के महिलाओं की साक्षरता दर –	60.95%
0-6 वर्ष के बच्चों की जनसंख्या –	288,470
0-6 वर्ष के लड़कों की जनसंख्या –	157,062
0-6 वर्ष के लडकियों की जनसंख्या –	131,408
0-6 वर्ष के बच्चों की जनसंख्या प्रतिशत-	13.50%
0-6 वर्ष के लड़कों की जनसंख्या प्रतिशत–	14.33%
0-6 वर्ष के लडकियों की जनसंख्या प्रतिशत–	12.62%
झुंझुनूं कि दशकीय वृद्धि (2001-2011)–	11.67%

2011 की जनगणना के अनुसार झुंझुनूं की शहरी जनसंख्या

झुंझुनूं की कुल शहरी जनसंख्या	489,079 (झुंझुनूं की कुल जनसंख्या का 22.89 %)
झुंझुनूं के शहरी पुरुषों की जनसंख्या	253,178
राजास्थान की शहरी महिलाओं की जनसंख्या	235,901

2011 की जनगणना के अनुसार झुंझुनूं की ग्रामीण जनसंख्या

झुंझुनूं की कुल ग्रामीण जनसंख्या	1,647,966 (झुंझुनूं की कुल जनसंख्या का 77.11 %)

झुंझुनूं के ग्रामीण पुरुषों की जनसंख्या	842,718
राजास्थान की ग्रामीण महिलाओं की जनसंख्या	805,248

धर्म के अनुसार झुंझुनूं की जनसंख्या(Jhunjhunun Ki Jansankhya)

धर्म	जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार	झुंझुनूं की कुल जनसंख्या का प्रतिशत
हिन्दू	1,905,682	89.17%
मुस्लिम	228,178	10.68%
ईसाई	1,004	0.05%
सिख	275	0.01%
बौद्ध	56	0.00%
जैन	548	0.03%
अघोषित	1,217	0.06%
अन्य	85	0.00%
कुल	2,137,045	100%

राजस्थान के सबसे अधिक साक्षरता वाले 5 जिले

जिला	2011 की जनगणना के अनुसार
कोटा	76.6%
जयपुर	75.5%
झुंझुनू	74.1%
सीकर	71.9%
अलवर	70.7%

निष्कर्ष

झुंझुनू जिला उत्तर भारत में भारतीय राज्य राजस्थान का एक जिला है । झुंझुनू शहर जिला मुख्यालय है।[25]
जिला शेखावाटी क्षेत्र के भीतर आता है, और उत्तर-पूर्व और पूर्व में हरियाणा राज्य द्वारा , दक्षिण-पूर्व, दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम में सीकर जिले से , और उत्तर-पश्चिम और उत्तर में चुरू जिले से घिरा है ।
के अनुसार 2011 की जनगणना के झुंझुनू जिले में एक है जनसंख्या 2,137,045 की, [5] मोटे तौर पर राष्ट्र के बराबर नामीबिया [6] या, अमेरिकी राज्य न्यू मैक्सिको । [७] यह इसे भारत में २१४वां स्थान देता है (कुल ६४० में से)। [५] जिले का

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Impact Factor: 6.551| Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 10, Issue 3, May 2023 |

जनसंख्या घनत्व ३६१ निवासी प्रति वर्ग किलोमीटर (९३०/वर्ग मील) है। [५] २००१-२०११ के दशक में इसकी जनसंख्या वृद्धि दर ११.८१% थी। [5] झुंझुनूं एक है लिंग अनुपात 950 की महिलाओं , हर 1000 पुरुषों के लिए [5] और एकसाक्षरता दर 74.72 प्रतिशत। [५][26]

भारत की २०११ की जनगणना के समय , जिले की ९८.०९% आबादी हिंदी और 1.70% उर्दू को अपनी पहली भाषा के रूप में बोलती थी । [8]

प्रसिद्ध तांबे की खदानें जिले की खेतड़ी तहसील में स्थित हैं। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड का खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स खेतड़ी शहर से 10 किमी की दूरी पर स्थित है। यह भारत की सबसे बड़ी तांबे की खान है। इसमें उप-उत्पाद यानी सल्फ्यूरिक एसिड, उर्वरक आदि भी होते हैं।[27]

मंत्रिमंडलीय उपसमिति के लिए फैसले पर अमल होता है तो झुंझुनूं जिले में पांच ऐसी पंचायतें हैं जो नगर पालिका बन जाएंगी। चिराना, मंड्रेला, सुलताना, मलसीसर और गुढ़ागौडज़ी की जनसंख्या २० से ज्यादा या करीब है। राज्य में 20 हजार से ज्यादा आबादी वाली पंचायतों की संख्या 100 से अधिक है। पहले चरण में सरकार ने छह पंचायतों को नगर पालिका बनाने का फैसला लिया है। इसमें झुंझुनूं जिले की कोई पंचायत शामिल नहीं है। इसी फॉर्मूले पर अमल होता है तो अगले चरण में जिले की कम से कम छह पंचायतों को नगर पालिका का दर्जा मिल सकता है। जनगणना -2011 के अनुसार जिले में तीन ऐसे पंचायत क्षेत्र थे जिनकी आबादी 20 हजार से ज्यादा थी। इनमें मंड्रेला, चिराना व सुलताना शामिल है। उस वक्त गुढ़ागौडज़ी की आबादी १८ हजार के करीब थी। अनुमान है कि चार साल में यहां की आबादी नगर पालिका बनने के नए दायरे में आ चुकी है। आबादी के लिहाज से मलसीसर, सिंघाना को भी कस्बा माना जाता है।

पंचायतों की वर्तमान अनुमानित जनसंख्या

मंड्रेला नगर पालिका से फिर पंचायत बन चुकी है

वर्ष 19८० के दशक में मंड्रेला को नगर पालिका बनाया गया था। करीब एक साल बाद ही इसे फिर से पंचायत बना दिया। जिससे विकास की गति थम सी गई। उन दिनों नगरपालिका क्षेत्र में व्यापारिक माल के प्रवेश पर चूंगी व्यवस्था लागू थी। इसलिए व्यापारियों ने मंड्रेला को नगरपालिका बनाने का विरोध किया था।[28]

नगर पालिका बनने का यह फायदा

: वह गांव नगरीय क्षेत्र में शामिल हो जाएगा।

: नगर पालिका स्वायत्तशाषी संस्था होती है जो सेमी गवर्नमेंट की तरह काम करती है।

: बाइलॉज खुद बनाने में सक्षम होती है।

: सफाई एवं रोशनी व्यवस्था का बजट बढ़ता है।

: नगरपालिका में सेनिटेशन का पूरा स्टाफ होता है जबकि पंचायतों में सफाई कर्मियों की कोई भर्तियां ही नहीं होत।

: नगरपालिका में सार्वजनिक रोशनी की व्यवस्था होती है जो पंचायत स्तर पर नहीं होती।

: सड़कों का विकास, बिजली-पानी की सप्लाई आदि भी शहरों की तर्ज पर होता है।

(नगर परिषद के सेवानिवृत्त आयुक्तरामशरण जानू के अनुसार)

चिराना २३०००

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Impact Factor: 6.551| Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 10, Issue 3, May 2023 |

मंड्रेला	२२०००
सुलताना	२२०००
मलसीसर	२००००
गुढ़ागौडज़ी	१८०००

ञ्च मंत्रिमंडलीय उपसमिति का निर्णय अमल में आने पर अगले चरण में मिल सकता है पालिका का दर्जा.
बगड, बख्तावरपुरा, चिडावा, पिलानी, उदयपूर वाटी , मंडावा , नवलगढ़,तोगड़ा कलां आदि कस्बे इसी में है। झुंझुनूं का नाम लेते ही मन जोश एवं श्रद्धा से भर जाता है। यहां के जर्रे-जर्रे से उठने वाली देशभक्ति की आवाज से जोश तो गांव-गांव में स्थापित शहीदों की प्रतिमाओं को देखकर मन में श्रद्धा का भाव स्वतः ही आ जाता है।झुंझुनूं ही एक ऐसा जिला है जिसने पूरे देश में सबसे ज्यादा सैनिक दिए है, सेना में जाने तथा मातृभूमि के लिए शहीद होने का जज्बा जैसा यहां दिखाई देता है, शायद ही कहीं पर दिखाई दे। बात चाहे आजादी से पहले की हो या बाद की, जिले के जाबांज सैनिकों ने दुश्मनों के दांत खट्टे कर अपनी बहादुरी का लोहा मनवाया। वीरता के बाद झुंझुनूं का धर्म-कर्म के मामले में अलग मुकाम है। यहां जिला मुख्यालय पर स्थित दादी राणीसती का मंदिर तो विश्व भर में प्रसिद्ध हैं। झुंझुनूं में हजरत कमरुद्दीन शाह की दरगाह एवं चंचलनाथ जी टीला अपने आप में अनूठे हैं। बताया जाता है कि हजरत कमरुद्दीन एवं चंचलनाथ में गहरी दोस्ती थी। दोनों का साम्प्रदायिक सद्भाव भी गजब का था। तभी तो झुंझुनूं में आज भी दोनों जगह होने वाले कार्यक्रमों में गंगा-जमुनी संस्कृति का झलक दिखाई देती है।[29]

यहां पर प्राचीन शिक्षा के केंद्र रहे हैं जिनमें पिलानी का नाम आता है

यहाँ बहुत से विश्व प्रसिद्ध व्यापारियों का जन्म हुआ। जिसमें घनश्याम दास बिड़ला, डालमिया, स्टील किंग मित्तल जैसे महान व्यापारी शामिल हैं जिन्होंने दुनिया भर में अपनी पहचान बनाई है।

यहां का मंडावा , नवलगढ़, डूंडलोद अपनी हवेलियों के भित्ति चित्रों के लिए प्रसिद्ध हैं। यहां की हवेलियां अपने आप में अनूठी हैं।

फिल्म नगरी के रूप में प्रसिद्ध मंडावा शहर झुंझुनू में ही स्थित है।

झुंझुनूं के उदयपुरवाटी तहसील के इंद्रपुरा गाँव के वीर जवान अमर शहीद कालूराम ओलखा को 10 सितम्बर 1965 भारत पाक युद्ध में 4 राजपूताना राइफल्स जम्मू कश्मीर के सांबा सेक्टर में शत्रुओं द्वारा अधिकृत एक जगह पर आक्रमण कर उस पर कब्ज़ा करने का काम सौंपा गया। हमले के दौरान उन पर एम एम जी से भारी गोलीबारी की गई और हथगोले फेंके गए। उनकी टुकड़ी के आधे से अधिक सैनिक मारे गए या घायल हो गए। कालूराम ने अपने बचे हुए जवानों को लड़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित किया और घायल होने के बावजूद दुश्मन के एम एम जी युक्त दो बंकरों को बर्बाद दिया । लड़ाई के बाद इनकी गोलियां खत्म हो गई। कालूराम ने कारतूस नहीं होने के बाद भी राइफल के बट से कई दुश्मन सैनिकों को ढेर कर दिया। जब दुश्मनों ने उन पर एक और हथगोला फेंका तो उससे कालूराम गम्भीर रूप से घायल हो गए वे लहुलुहान चेहरे के साथ रेंगते हुए आगे बढ़े और अंतिम सांस लेने से पहले उन्होंने दुश्मन के अंतिम ठिकाने को नष्ट कर दिया। उन्होंने उत्कृष्ट वीरता तथा अदम्य शौर्य का प्रदर्शन किया[29]

संदर्भ

1. "Lonely Planet Rajasthan, Delhi & Agra," Michael Benanav, Abigail Blasi, Lindsay Brown, Lonely Planet, 2017, ISBN 9781787012332
2. ↑ "Berlitz Pocket Guide Rajasthan," Insight Guides, Apa Publications (UK) Limited, 2019, ISBN 9781785731990
3. ↑ "Pin Code of Chirawa Town in Jhunjhunu, Rajasthan". www.mapsofindia.com. मूल से 30 जुलाई 2018 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 30 जुलाई 2018.

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Impact Factor: 6.551| Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 10, Issue 3, May 2023 |

4. Districts of Rajasthan, Census 2011". Retrieved 22 जुलाई 2016.
5. "पोर्टल, राजस्थान सरकार" । Jhunjhunu.rajasthan.gov.in । 11 अगस्त 2022 को पुनःप्राप्त ।
6. ^ "झुंझुनूं शहर की जनगणना 2011"। जनगणना 2011.co.in। {{cite web}}: लापता या खाली |url=(सहायता) [मृत कड़ी]
7. ^ ""रेल मंत्री ने नवनिर्मित लोहारू-सीकर ब्रॉड गेज लाइन पर नई ट्रेन को हरी झंडी दिखाई", रेल समाचार (1 सितंबर 2015)"। 19 नवंबर 2015 को मूल से संग्रहीत । 23 अक्टूबर 2015 को पुनः प्राप्त किया गया ।
8. खंडिल्ल झिन्झ्यायणय नराण हरसउर खट्टउएसु । नायउर सुद्ध देही सु सभरि देसेसु वंदामि ।। सिद्धसेन सूरि द्वारा विक्रमी 1123 में रचित सर्वतीर्थमाला
9. संवत 1300 तदनंतरं खाटू वास्तव्य साह गोपाल प्रमुख नाना नगर ग्रामे वास्ताव्यानेक श्रावका: श्री नवहा झुंझुणु वास्तव्य - वरदा वर्ष 7 अंक 1
10. Epigraphia Indica, Vol. IX, p. 74 ff
11. History of Jhunjhunu
12. Epigraphia Indica, Vol. IX, p. 74 ff
13. Dasharatha Sharma:"Early Chauhan Dynasties", p.177
14. See Bhattaraka Sampradaya Nos 253-254
15. Encyclopaedia of Jainism, Volume-1 By Indo-European Jain Research Foundation p.5522
16. History of Jhunjhunu
17. Kunwar Panne Singh:'Rankeshari Jujhar Singh'
18. Thakur Deshraj: Jat Itihas, Delhi,1934 (pp 614-615)
19. भारतकोश-झुंझुनू
20. Dr. Raghavendra Singh Manohar:Rajasthan Ke Prachin Nagar Aur Kasbe, 2010,p. 219
21. सिद्धसेन सूरि द्वारा विक्रमी 1123 में रचित सर्वतीर्थमाला
22. Aruna Jadiya, Research Scholar, Vanasthali Vidyapith, 'Jat Privesh', September 2015,p. 18
23. वरदा वर्ष 7 अंक 1
24. रतन लाल मिश्र:शेखावाटी का नवीन इतिहास, मंडावा, 1998, पृ.90
25. रतन लाल मिश्र:शेखावाटी का नवीन इतिहास, मंडावा, 1998, पृ.90
26. Jat History Thakur Deshraj/Chapter VIII,p.558
27. Jat History Thakur Deshraj/Chapter IX,pp.599-600
28. Ganesh Berwal: 'Jan Jagaran Ke Jan Nayak Kamred Mohar Singh', 2016, ISBN 978.81.926510.7.1, p.44-46
29. ठाकुर देशराज:Jat Jan Sewak, p.1, 4-6

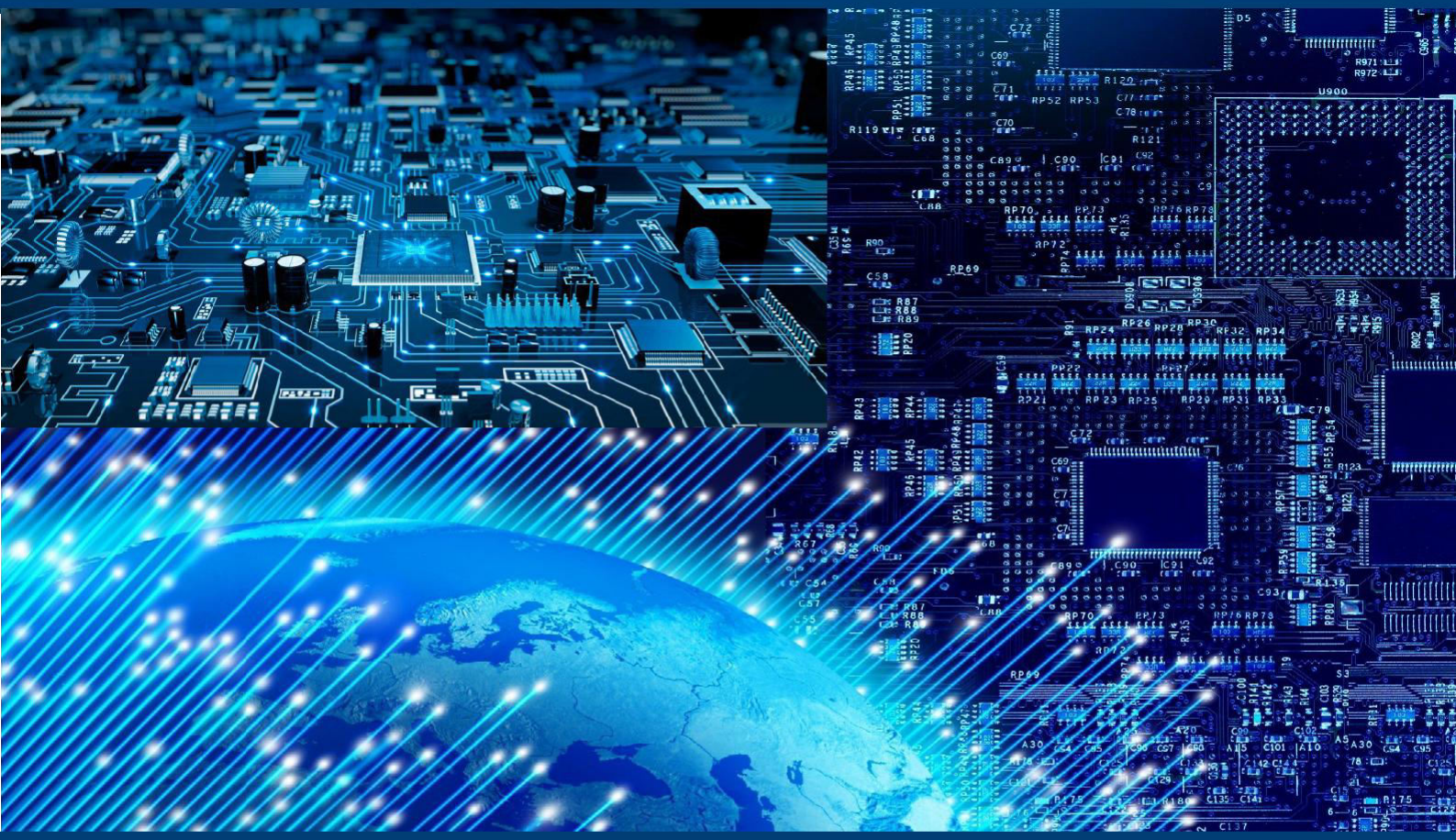

International Journal of Advanced Research in Arts, Science, Engineering & Management (IJARASEM)

| Mobile No: +91-9940572462 | Whatsapp: +91-9940572462 | ijarasem@gmail.com |